।। श्रीसर्वेश्वरो जयति ।।

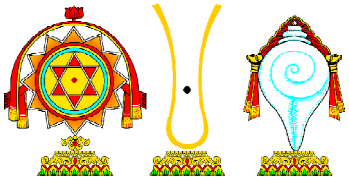

।। श्रीभगवन्निम्बार्काचार्याय नमः ।।

श्रीनिम्बार्क व्रतोत्सव

* श्रीसर्वेश्वरो जयति *

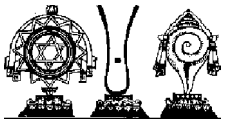

।। श्रीभगवन्निम्बार्काचार्याय नमः ।।

विविध पञ्चांग समन्वित कपालवेध मतानुसार

श्रीनिम्बार्क - व्रतोत्सव

(श्रीनिम्बार्काब्द ५११८-५११९, वि० सं० २०८०)

सम्पादक-
निम्बार्कभूषण पं० विश्वामित्र व्यास, निम्बार्कतीर्थ
एवं
पं. अशोक शास्त्री, (पींगलोद) किशनगढ, 9829413783

प्रकाशक - **अ० भा० जगद्गुरु श्रीनिम्बार्काचार्यपीठ, निम्बार्कतीर्थ**
सलेमाबाद (अजमेर) राजस्थान

प्रथमावृत्ति	चैत्र मास	न्यौछावर
२०००	२०८०	सदुपयोग

कपालवेध परिज्ञान

आवश्यक सूचना

श्रीसुदर्शनचक्रावतार श्रीभगवन्निम्बार्काचार्य ने एकादशी व्रत तथा भगवत्-भागवत जयन्तियों में तिथि का उदयकाल अर्द्धरात्रि ४५ घटी पर ही माना है, इसी का नाम स्पर्श (कपाल) वेध है । तात्पर्य यह है कि ४५ घटी के उपरान्त दशमी हो तो वह आगामी तिथि का स्पर्श कर लेती है । अतः इसका नाम स्पर्श वेध और अर्द्धभाग का नाम है कपाल इसलिये रात्रि के अर्द्धभाग को कपालवेध कहते हैं । कपाल वेध मतानुसार एकादशी शुद्ध और दूसरे दिन आठ महाद्वादशी में कोई महाद्वादशी हो तो एकादशी व महाद्वादशी दोनों ही व्रत करें, यदि दो दिन व्रत न कर सकें तो एकादशी व्रत का त्याग किया जा सकता है किन्तु महाद्वादशी व्रत का त्याग न करें इसका व्रत अवश्य करें । ऐसा शास्त्रीय विधान है ।

विशेष सूचना

श्रीनिम्बार्क-सम्प्रदाय आसेतु हिमालय पर्यन्त भारत-व्यापी सम्प्रदाय है । इस सम्प्रदाय के अनुयायी सर्वत्र रहते हैं, पञ्चाङ्ग भी अनेक स्थानों से प्रकाशित होते हैं, सबके घटी पल एक से नहीं मिलते । हमने अनेक पञ्चाङ्गों के आधार पर व्रतोत्सव तैयार किया है, जिस पर भी यदि किसी प्रकार का विवाद हो तो आपके प्रान्त में जो भी पञ्चाङ्ग चलता है, जिसको आप मान्यता देते हों उसी के घटी पलानुसार वेध का निर्णय कर मना लेवें । व्यर्थ के विवाद में न पड़ें।

--सम्पादक

आठ महाद्वादशी

जया, विजया, जयन्ती, पापनाशिनी, उन्मीलिनी, वंजुलिनी, त्रिस्पृशा, और पक्षवर्धिनी ये आठ महाद्वादशी हैं । इनका योग इस प्रकार बनता है, जैसे किसी भी मास के शुक्ल पक्ष की द्वादशी पुनर्वसु नक्षत्र से युक्त हो तो जया, रोहिणी से युक्त हो तो जयन्ती, पुष्य से युक्त हो तो पापनाशिनी तथा श्रवण नक्षत्र से युक्त हो तो चाहे शुक्ल पक्ष हो अथवा कृष्ण पक्ष वह विजया नामक महाद्वादशी कहलाती है । इसी प्रकार एकादशी पूर्ण हो और दूसरे दिन भी कुछ एकादशी हो तो वह द्वादशी उन्मीलिनी कहलाती है और यदि एकादशी और द्वादशी सम्पूर्ण हो और फिर त्रयोदशी को भी कुछ अवशिष्ट हो तो वह द्वादशी वंजुलिनी महाद्वादशी कहलाती है । द्वादशी का क्षय होकर रात्रि शेष में त्रयोदशी हो तो वह त्रिस्पृशा तथा अमावस्या व पूर्णिमा दो हो जाय तो वह पक्षवर्धिनी कहलाती है । इनका योग आ जाने पर दोनों सम्भव न हो तो शुद्धा एकादशी को छोड़कर महाद्वादशी में ही व्रत करना चाहिये, ऐसी शास्त्रों की आज्ञा है ।

एकादशी भवेत्पूर्णा परतो द्वादशी भवेत् ।
तदा ह्येकादशीं त्यक्त्वा द्वादशीं समुपोषयेत् ।। (स्कन्दपुराण)

भावार्थ-एकादशी पूर्ण हो अर्थात् पूर्व तिथि दशमी विद्धा न हो और अग्रिम तिथि द्वादशी महाद्वादशी के रूप में हो तब ऐसी अवस्था में एकादशी तिथि में एकादशी व्रत को त्याग कर महाद्वादशी के दिन ही व्रत करना चाहिये। यह शास्त्रीय विधान है ।

वैष्णव धर्म सुरद्रुम मञ्जरी के आचार तिलक के पृष्ठ १३६ पर अंकित श्लोक के अनुसार ।

पर्वाच्युतजयावृद्धौ, ईशदुर्गान्तकक्षये ।
शुद्धाप्येकादशी त्याज्या द्वादश्यां समुपोषणम् ।। (ब्रह्मवैवर्त पुराण)

भावार्थ-पर्व (पूर्णिमा, अमावस्या) अच्युत (द्वादशी) जया (त्रयो-दशी) की वृद्धि हो और ईश (अष्टमी) दुर्गा (नवमी) अन्तक (दशमी) इनमेंसे किसी एक का क्षय हो तो शुद्धा एकादशी छोड़कर भी द्वादशी में व्रत करें।

* श्रीराधासर्वेश्वरो विजयते *

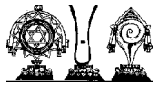

।। श्रीभगवन्निम्बार्काचार्याय नमः ।।

श्रीमते सर्वविद्यानां प्रभवाय सुब्रह्मणे ।
आचार्याय मुनीन्द्राय निम्बार्काय नमोनमः ।।

श्रीनिम्बार्काब्द ५११८-५११९ वि० सं० २०८० का

निर्णयसागर, श्रीधरी आदि पञ्चांग समन्वित-

कपालवेध मतानुसार

* श्रीनिम्बार्क - व्रतोत्सव *

* चैत्र शुक्ल पक्ष *

वि. सं. २०८० शुक्ल १ बुधवार दि. २२ मार्च २०२३ को ही नववर्ष प्रारम्भ, श्रीनवरात्र घट स्थापनादि शुभारम्भ, नूतन चान्द्र संवत्सर, नवरात्रारम्भ, कलश स्थापन, मिश्री कालीमिर्चयुत नव निम्बदलार्पण, पञ्चाङ्ग श्रवण एवं श्रीकेशव भट्टाचार्य पाटोत्सव।

३ शुक्र २४ मार्च (शिव पार्वती) गणगौर उत्सव ।

६ सोम २७ मार्च श्रीयमुना जयन्ती । श्रीपुरुषोत्तमाचार्य पाटोत्सव।

९ गुरुवार ३० मार्च श्रीरामनवमी महोत्सव।

१२ रवि २ अप्रेल श्रीकामदा एकादशी व्रत।(पर्वाच्युत जयावृद्धौ वचनानुसार १३ दो होने एवं ११ पूर्वविद्धा होने से आज)

१४ बुध ५ अप्रेल पूर्णिमा व्रत।

१५ गुरु ६ अप्रेल पूर्णिमा पुण्य, श्रीहनुमान् जयन्ती, वैशाख स्नान प्रारम्भ।

* वैशाख कृष्ण पक्ष *

३ रवि ९ अप्रेल श्रीपद्मनाभभट्टाचार्य पाटोत्सव।

५ मंगल ११ अप्रेल श्रीरामचन्द्रभट्टाचार्य पाटोत्सव।
११ रवि १६ अप्रेल श्रीवरूथिनी एकादशी व्रत ।
३० गुरु २० अप्रेल वैशाखी अमावस्या।

* वैशाख शुक्ल पक्ष *

१ शुक्र २१ अप्रेल श्रीराधासर्वेश्वरशरणदेवाचार्य जी की ९५ वीं जयन्ती।
३ रवि २३ अप्रेल अक्षय तृतीया, भगवान् के चन्दन का शृङ्गार, सत्तू, ऋतुफल एवं शीतल पदार्थ समर्पण । श्रीपरशुराम जयन्ती।
५ मंगल २५ अप्रेल वर्तमान जगद्गुरु निम्बार्काचार्य श्रीश्यामशरणदेवाचार्यजी महाराज का विरक्त दीक्षा महोत्सव।
६ बुध २६ अप्रेल श्रीनिम्बार्ककोट अजमेर में विराजमान भगवान् श्रीनिम्बार्कगोपीजनवल्लभजी का ३० वां पाटोत्सव ।
७ गुरु २७ अप्रेल भगवान् श्रीगोपालजी झीटियां-मेडता का पाटोत्सव।
८ शुक्र २८ अप्रेल श्रीविलासाचार्य पाटोत्सव ।
९ शनि २९ अप्रेल श्रीजानकी जयन्ती (नवमी) महोत्सव ।
११ सोम १ मई श्रीमोहिनी एकादशी व्रत।
१३ बुध ३ मई श्रीनिम्बग्राम संस्थित श्रीनिम्बार्क तपःस्थली पर प्राचीन मन्दिर के अतिरिक्त नवनिर्मित मन्दिर में विराजमान भगवान् श्रीनिम्बार्क-राधाकृष्णविहारीजी का ३६ वां पाटोत्सव।
१४ गुरु ४ मई श्रीनृसिंह जयन्ती ।
१५ शुक्र ५ मई पीपल पूर्णिमा व्रत पुण्य वैशाख स्नानपूर्ति (स्नानदानादौ पर्वरूपा) मान्ध्य चन्द्रग्रहण (उपच्छाया) भारतवर्ष में इसका सूतक नियम मान्य नहीं होगा।

* ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष *

१ शनि ६ मई जलसेवा प्रारम्भ, आज से इस माह की पूर्णिमा पर्यन्त पूरे मास शीतल सुगन्धित जलशय्या पर भगवान् की शयन सेवा तथा श्रीनिम्बार्क मारुति मन्दिर में श्रीहनुमान्जी का २९ वां पाटोत्सव।

श्रीनिम्बार्कतीर्थद्वार, खातोली मोड।

६ गुरु ११ मई श्रीवामनभट्टाचार्य पाटोत्सव ।

१२ मंगल १६ मई श्रीअपरा एकादशी व्रत। (ईशदुर्गान्तकक्षये वचनानुसार ९ क्षय होने से व ११ पूर्व विद्धा होने से आज)

३० शुक्र १९ मई अमावस्या पर्व। शनि जयन्ती

* ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष *

२ रवि २१ मई श्रीराधासर्वेश्वरशरणदेवाचार्यजीमहाराज का ८० वां पाटोत्सव एवं वर्तमान जगद्गुरु श्रीनिम्बार्काचार्य श्रीश्याम-शरणदेवाचार्यजी महाराज का युवराज पदासीन उत्सव।

४ मंगल २३ मई जगद्विजयी श्रीकेशवकाश्मीरिभट्टाचार्यजी का पाटोत्सव ।

६ गुरु २५ मई श्रीव्रजराजशरणदेवाचार्य पाटोत्सव। श्रीनिम्बार्कशरणदेवाचार्य पाटोत्सव। (५ पूर्व विद्धा होने से आज)

द्वि.७ शनि २७ श्रीस्वरूपाचार्य पाटोत्सव। (प्र. ७ विद्धा होने से आज)

९ सोम २९ मई श्रीवृन्दावन श्रीजी की बड़ी कुञ्ज मन्दिरस्थ भगवान् श्री आनन्दमनोहरवृन्दावनचन्द्रजी एवं श्रीरूपमनोहरवृन्दावनचन्द्रजी का पाटो.।

१० मंगल ३० मई अ. भा. श्रीनिम्बार्काचार्यपीठस्थ श्रीराधामाधव भगवान् का २५७ वां पाटोत्सव । मदनगंज संस्थित श्रीराधासर्वेश्वर भगवान् का ४५ वां पाटोत्सव । गंगा दशहरा।

११ बुध ३१ मई श्रीनिर्जला एकादशी व्रत एवं भगवान् श्रीविजयगोपालजी का पाटोत्सव।

१४ शनि ३ जून पूर्णिमा व्रत। वट सावित्री व्रत पूर्ण।

१५ रवि ४ जून पूर्णिमा पुण्य।

* आषाढ कृष्ण पक्ष *

६ शुक्र ९ जून भगवान् श्रीगोपालमन्दिर श्रीगोपालद्वारा रूपनगढ का पाटो. एवं श्रीगोपाल मन्दिर चला जि. सीकर का पाटोत्सव ।

८ रवि ११ जून श्रीपद्माकर भट्टाचार्य पाटोत्सव तथा हीरापुरा जयपुर संस्थित भगवान् श्रीनिम्बार्कनिकुंजविहारीजी का ३२ वां पाटो.।

९ सोम १२ जून श्रीकृष्णभट्टाचार्य पाटोत्सव।
११ बुध १४ जून श्रीयोगिनी एकादशी व्रत।
३० रवि १८ जून देवकार्ये अमावस्या।

* आषाढ शुक्ल पक्ष *

२ मंगल २० जून श्रीरथयात्रा महोत्सव ।
६ शनि २४ जून ठा. श्रीयुगलविहारीजी-फतेहगढ का २६ वां पाटो.।
७ रवि २५ जून भक्तिमती श्रीमीराबाई संसेवित भगवान् श्रीगिरिधर-गोपालजी श्रीपरशुरामद्वारा पुष्कर का पाटो.।
११ गुरु २९ जून श्रीमाधवाचार्य पाटो.। (१० पूर्व विद्धा होने से आज)
१२ शुक्र ३० जून श्रीदेवशयनी एकादशी व्रत। चातुर्मास प्रारम्भ, विष्णु-शयनोत्सव। (११ पूर्व विद्धा होने से आज)
१५ सोम ३ जुलाई श्रीगुरुपूर्णिमा, श्रीहंस भगवान् से लेकर वर्तमान आचार्य पर्यन्त समस्त आचार्यों एवं निज गुरुदेव का पूजन ।

* प्रथम श्रावण कृष्ण पक्ष *

११ गुरु १३ जुलाई श्रीकामदा एकादशी व्रत।
३० सोम १७ जुलाई श्रीहरियाली व सोमवती अमावस्या।

* प्रथम श्रावण शुक्ल पक्ष *

१ मंगल १८ जुलाई से श्रीपुरुषोत्तम मास गहात्म्य विधान प्रारम्भ।
११ शनि २९ जुलाई श्रीपुरुषोत्तमा एकादशी व्रत अधिकमास।
१५ मंगल १ अगस्त पूर्णिमा व्रत अधिकमास।

* द्वितीय श्रावण कृष्ण पक्ष *

द्वि.११ शनि १२ अगस्त श्रीउन्मीलिनी महाद्वादशी एकादशी व्रत अधिकमास। (११ दो होने से आज)
१४ मंगल १५ अगस्त राष्ट्रीय स्वतन्त्रता दिवस ७७ वां।
३० बुध १६ अगस्त देवकार्ये अमावस्या। श्रीपुरुषोत्तममास विधान पूर्ण।

* द्वितीय श्रावण शुक्ल पक्ष *

३ शनि १९ अगस्त झूलनोत्सव प्रारम्भ। श्रीबलभद्राचार्य पाटो.।

८ गुरु २४ अग.श्रीगोपीनाथ भट्टाचार्य पाटो. ।(७ पूर्व विद्धा होने से आज)
११ रवि २७ अगस्त श्रीपवित्रा एकादशी व्रत ।
१४ बुध ३०अग. रक्षाबन्धन। श्रावणी उपाकर्म भद्रोपरान्त रात्रि ९/२ बाद।
१५ गुरु ३१ अगस्त पूर्णिमा पुण्य। रक्षाबन्धन १४ बुधवार को रात्रि ९/०२ मि. तक भद्रा होने से आज मानना उचित होगा।

* भाद्रपद कृष्ण पक्ष *

४ रवि ३ सितम्बर श्रीसर्वेश्वर संसद् जयपुर के परिकरों द्वारा आचार्यपीठ में पूज्य आचार्यश्री के सान्निध्य में सत्संग-भजन-कीर्तन।
५ सोम ४ सितम्बर श्रीनिम्बार्काचार्यपीठाधीश्वर श्रीपरशुरामदेवाचार्य पाटो.।
८ गुरु ७ सितम्बर लीला पुरुषोत्तम भगवान् श्रीकृष्ण जयन्ती महामहोत्सव।
९ शुक्र ८ सितम्बर श्रीनन्द महोत्सव, पलना दर्शन तथा बृहद् मेला।
(श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव एवं श्रीनन्द-महोत्सव ये दोनों महोत्सव अ. भा. श्रीनिम्बार्काचार्यपीठ में प्रतिवर्ष बृहद् रूप से सम्पन्न होते हैं)
१० शनि ९ सितम्बर श्री श्रीधर वाटिका में श्रीहनुमान्जी का मेला ।
११ रवि १० सितम्बर श्रीनिम्बार्क मारुति मेला, श्रीनिम्बार्क मारुति मन्दिर, निम्बार्कतीर्थद्वार (खातोली मोड)
१२ सोम ११ सितम्बर श्रीपक्षवर्धिनी महाद्वादशी व्रत।
(पर्वाच्युत जयावृद्धौ वचनानुसार ३० दो होने से आज)
१३ मंगल १२ सितम्बर श्रीवृन्दावनदेवाचार्य पाटो.।
प्र.३० गुरु १४ सितम्बर कुशोत्पाटनी (कुश ग्रहणी) अमावस्या ।
द्वि. ३० शुक्र १५ सितम्बर देवकार्ये अमावस्या।

* भाद्रपद शुक्ल पक्ष *

४ मंगल १९ सितम्बर श्रीगणेश जयन्ती ।
५ बुध २० सितम्बर श्रीऋषि पञ्चमी ।
६ गुरु २१ सितम्बर श्रीबलदेव जयन्ती-श्रीराधासर्वेश्वर मन्दिर, मदनगंज एवं श्रीनिम्बार्काचार्यपीठाधीश्वर श्रीश्यामशरणदेवाचार्य श्री श्रीजी महाराज का जन्मोत्सव।

८ शनि २३ सितम्बर श्रीराधा जयन्ती महोत्सव। यह महोत्सव श्रीराधासर्वेश्वर मन्दिर-मदनगंज-किशनगढ में विशिष्ट समारोह के साथ प्रतिवर्ष सम्पन्न होता है व भागवत सप्ताह प्रारम्भ।

८ शनि २३ सितम्बर श्रीमद्भागवत जयन्ती महोत्सव । यह महोत्सव श्री निम्बार्कगोपीजनवल्लभ मन्दिर, श्रीनिम्बार्ककोट-पृथ्वीराज मार्ग, अजमेर में अतीव उल्लास के साथ प्रतिवर्ष सम्पन्न होता है। (११ क्षय होने से आज से ही)

१२ मंगल २६ पद्मा जलझूलनी एकादशी व्रत व विजया महाद्वादशी व्रत। (श्रवण नक्षत्रवशात् आज)

१३ बुध २७ सितम्बर श्रीपद्माचार्य पाटोत्सव व वामन जयन्ती। (१२ पूर्व विद्धा होने से आज)

१४ गुरु २८ सितम्बर श्रीअनन्त चतुर्दशी। पूर्णिमा व्रत।

१५ शुक्र २९ सितम्बर महालय श्राद्ध प्रारम्भ पूर्णिमा व प्रतिपदा श्राद्ध आज।

* आश्विन कृष्ण पक्ष *

१ शनि ३० सितम्बर द्वितीया श्राद्ध जगद्गुरु श्रीराधासर्वेश्वरशरणदेवाचार्यजी की श्राद्ध तिथि (द्वितीया अपराह्न तिथि होने से आज)

७ गुरु ५ अक्टूबर श्रीघनश्यामशरणदेवाचार्य पाटोत्सव । (६ पूर्व विद्धा होने से आज)

१० सोम ९ अक्टूबर श्रीभूरिभट्टाचार्य पाटोत्सव।

११ मंगल १० अक्टूबर श्रीइन्दिरा एकादशी व्रत।

३० शनि १४ अक्टूबर अमावस्या पुण्य पर्व।

* आश्विन शुक्ल पक्ष *

१ रवि १५ अक्टूबर शारदीय नवरात्रारम्भ । घट स्थापना प्रात:।

२ सोम १६ अक्टूबर आदिवाणीकार (युगलशतक निर्माता) श्री श्रीभट्टदेवाचार्य जी महाराज का पाटोत्सव ।

७ शनि २१ अक्टूबर श्रीसरस्वती आवाहन व पूजन।

९ सोम २३ अक्टूबर श्रीदुर्गा नवमी पूजन।

१० मंगल २४ अक्टूबर सरस्वती विसर्जन, श्रीविजयादशमी, श्रीसुदर्शनादि सर्वायुध पूजा, शमी पूजन।

११ बुध २५ अक्टूबर श्रीपापांकुशा एकादशी व्रत।

१३ शुक्र २७ अक्टूबर श्रीश्यामाचार्य पाटोत्सव।

१५ शनि २८ अक्टूबर पूर्णिमा व्रत। कार्तिक स्नान प्रारम्भ एवं खण्डग्रास चन्द्रग्रहण सम्पूर्ण भारतवर्ष में दृश्य होगा। इसका सूतक यम नियम भारतीय समयानुसार दिन में ४/०५ बजे, प्रवेश रात्रि ११/३२ बजे, स्पर्श रात्रि १-०५ बजे, मध्य रात्रि १/४४ बजेएवं मोक्ष रात्रि २/२३ बजे तथा पर्वकाल १/१८ मिनिट।

* कार्तिक कृष्ण पक्ष *

१ रविवार २९ अक्टूबर शरद्पूर्णिमा।

५ गुरु २ नवम्बर श्रीगोविन्ददेवाचार्य पाटो.।

९ सोम ६ नवम्बर श्रीगोविन्दशरणदेवाचार्य पाटो.। (८ पूर्व विद्धा होने से आज)

प्र.१० मंगल ७ नवम्बर श्रीश्रवणभट्टाचार्य पाटोत्सव।
(९ पूर्व विद्धा होने से आज)

११ गुरु ९ नवम्बर रमा एकादशी व्रत। श्रीमाधवभट्टाचार्य पाटोत्सव।

१२ शुक्र १० नवम्बर श्रीमहावाणीकार रसिकराजराजेश्वर श्रीहरिव्यासदेवाचार्य पाटोत्सव। श्रीधन्वन्तरि जयन्ती। (धनतेरस)

१४ रवि १२ नवम्बर श्रीमहालक्ष्मी पूजन, दीपमालिका प्रदोषवेलायाम् दीपोत्सव, श्रीराधिकोत्थापन ।

३० सोम १३ नवम्बर सोमवती अमावस्या पुण्य पर्व।

* कार्तिक शुक्ल पक्ष *

१ मंगल १४ नवम्बर श्रीअन्नकूट महोत्सव, श्रीगोवर्धन पूजा अ० भा० श्री निम्बार्काचार्यपीठ में तथा अन्नकूट महोत्सव श्रीपरशुरामद्वारा पुष्कराज में तथा अन्नकूट महोत्सव मूंगी-पैठण मेंतथा वृन्दावनस्थ श्री श्रीजी की बड़ी कुञ्ज वृन्दावन में।
(शास्त्रोक्त व्रत पर्व निर्णयानुसार)

२ बुध १५ नवम्बर अन्नकूट महोत्सव श्रीनिम्बार्कमारुति मन्दिर, निम्बार्क-तीर्थद्वार, खातोलीमोड ।

३ गुरु १६ नवम्बर अन्नकूट महोत्सव श्रीनिम्बार्कनिकुंजविहारी भगवान्, निम्बार्कनगर, हीरापुरा-जयपुर।

४ शुक्र १७ नवम्बर अन्नकूट महोत्सव-श्रीगोपालद्वारा-किशनगढ ।

५ शनि १८ नवम्बर अन्नकूट महोत्सव श्रीराधासर्वेश्वर मन्दिर, मदनगंज।

६ रविवार १९ नवम्बर अन्नकूट महोत्सव भगवान् श्रीनिम्बार्कगोपीजनवल्लभ मन्दिर निम्बार्ककोट, अजमेर ।

८ सोम २० नवम्बर गोपाष्टमी महोत्सव पर आचार्यपीठ में गो पूजन।

९ मंगल २१ नवम्बर श्रीस्वभूरामदेवाचार्य जयन्ती महोत्सव।
(८ पूर्व विद्धा होने से आज)

१० बुध २२ नवम्बर श्रीहंस सनकादि जयन्ती तथा श्रीसर्वेश्वर प्रभु का प्राकट्य दिवस । यह महोत्सव श्रीनिम्बार्काचार्यपीठ में तथा विश्व विश्रुत भक्तिमती मीरां बाई द्वारा समुपासित श्रीगिरिधरगोपाल मन्दिर श्रीपरशुरामद्वारा स्थान-पुष्कर में विशेष रूप से मनाया जाता है ।
(९ पूर्व विद्धा होने से आज)

११ गुरु २३ नवम्बर श्रीदेव प्रबोधिनी एकादशी व्रत।

१४ रवि २६ नवम्बर पूर्णिमा व्रत।

१५ सोम २७ नवम्बर आद्याचार्य श्रीनिम्बार्क भगवान् का ५११९ वां जयन्ती महोत्सव। यह महोत्सव अ. भा. श्रीनिम्बार्काचार्यपीठ, श्रीनिम्बार्कतीर्थ में, श्रीपरशुरामद्वारा स्थान-पुष्कर में, व्रजधाम श्रीनिम्बग्राम में, श्रीनिम्बार्ककोट वृन्दावन में, श्री श्रीजी की बड़ी कुंज वृन्दावन में, श्रीनिम्बार्क प्राकट्य धाम मूंगी-पैठण (महा.) में, श्रीनिम्बार्कराधागोविन्द भगवान् वैरागी मठ भजनदासचौक, पण्ढरपुर (महा.) में श्रीनिम्बार्कनिकुंजविहारी आश्रम हीरापुरा जयपुर में, श्रीराधा-सर्वेश्वर मन्दिर मदनगंज-किशनगढ में तथा श्रीनिम्बार्क-गोपीजनवल्लभ मन्दिर निम्बार्ककोट अजमेर, श्रीनृसिंह टेकरी महू (म. प्र.)

आदि में प्रतिवर्ष विशेष समारोह पूर्वक होता है । कार्तिक स्नान पूर्ण।

* मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष *

१ मंगल २८ नवम्बर श्रीनिम्बार्क भगवान् की शोभायात्रा। निम्बग्राम, श्रीनिम्बार्क कोट वृन्दावनधाम, श्रीसर्वेश्वर संसद् जयपुर, श्रीनिम्बार्क प्राकट्य धाम मूंगी-पैठण आदि स्थानों में प्रतिवर्ष समारोह पूर्वक सम्पन्न होती है ।

६ रविवार ३ दिसम्बर श्रीनिम्बार्क भगवान् का छठी महोत्सव श्रीनिम्बार्का-चार्यपीठ निम्बार्कतीर्थ एवं जयपुर में।

७ सोम ४ दिसम्बर श्रीहरिवंशदेवाचार्य पाटोत्सव।

१२ शनिवार ९ दिसम्बर श्रीउत्पत्ति एकादशी व्रत।
(११ पूर्व विद्धा होने से आज)

३० मंगल १२ दिसम्बर भौमवती अमावास्या पुण्य पर्व।

* मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष *

३ शुक्र १५ दिसम्बर सेतुकाकार श्रीसुन्दरभट्टाचार्य पाटोत्सव ।
(२ पूर्व विद्धा होने से आज)

११ शुक्र २२ दिसम्बर श्रीगीता जयन्ती।

१२ शनि २३ दिसम्बर श्रीमोक्षदा एकादशी व्रत।(११ क्षय होने से आज)

१३ रवि २४ दिसम्बर श्रीनारद जयन्ती व श्रीव्यंजन द्वादशी।
(१२ पूर्व विद्धा होने से आज)

१५ मंगल २६ दिसम्बर पूर्णिमा पुण्य।

* पौष कृष्ण पक्ष *

१ बुध २७ दिसम्बर श्रीकृपाचार्य पाटोत्सव। (१५ पूर्व विद्धा होने से आज)

६ मंगल २ जनवरी २०२४ श्रीसर्वेश्वरशरणदेवाचार्य पाटोत्सव ।

११ रवि ७ जनवरी श्रीसफला एकादशी व्रत एवं श्रीगोपालभट्टाचार्य पाटोत्सव।

३० गुरु ११ जनवरी अमावस्या पर्व।

* पौष शुक्ल पक्ष *

३ रवि १४ जनवरी मकरेऽर्कः २/४४ रात्रौ/श्रीराधासर्वेश्वरशरणदेवाचार्यजी का भगवद्धाम प्रवेश संक्रान्ति) अस्य पुण्यकाल १५ जनवरी सूर्योदय वेलात्।

९ शुक्र १९ जनवरी श्रीनारायणदेवाचार्य पाटोत्सव ।
११ रवि २१ जनवरी २०२४ श्रीपुत्रदा एकादशी व्रत।
१५ गुरु २५ जनवरी माघ स्नान प्रारम्भ, पूर्णिमा व्रत पुण्य पर्व।

* माघ कृष्ण पक्ष *

१ शुक्र २६ जनवरी गणतन्त्र दिवस ७५ वां।
२ शनि २७ जनवरी वर्तमान जगद्गुरु श्रीनिम्बार्काचार्य श्री श्रीजी महाराज के निज गुरुदेव श्रीराधासर्वेश्वरशरणदेवाचार्यजी की ७ वीं पुण्यतिथि।
६ गुरु १ फरवरी भगवान् श्रीनिम्बार्कराधागोविन्दविहारीजी का १६ वां पाटोत्सव श्रीनिम्बार्क सम्प्रदाय वैरागी मठ भजनदास चौक, पण्ढरपुर (महा.) ।
१० सोम ५ फरवरी श्रीगोपेश्वरशरणदेवाचार्य पाटोत्सव।
११ मंगल ६ फरवरी श्रीषट्तिला एकादशी व्रत।
१२ बुध ७ फरवरी श्रीसुदर्शनचक्रावतार श्रीभगवन्निम्बार्काचार्य, ग्राम मूंगी-पैठण जि. अहमदनगर(महाराष्ट्र) का २० वां पाटो.।
१४ शुक्र ९ फरवरी श्रीबलभद्रभट्टाचार्य पाटो.।
३० शुक्र ९ फरवरी माघी मौनी अमावस्या। प्रयागराज स्नान मेला प्रारम्भ।

* माघ शुक्ल पक्ष *

५ बुध १४ फरवरी श्रीबसन्तोत्सव, श्रीसरस्वती पूजन। गीतगोविन्दकारश्रीजयदेव कवि जयन्ती महोत्सव। श्रीसर्वेश्वर संस्कृत महाविद्यालय का ८७ वां स्थापना दिवस (स्थापना वि.सं. १९९४) भाष्यकार श्रीनिवासाचार्य एवं जाह्नवीकार श्रीदेवाचार्य पाटोत्सव एवं वर्तमान श्रीनिम्बार्काचार्यपीठाधीश्वर श्रीश्यामशरणदेवाचार्यजी महाराज का ७ वां पाटोत्सव।
१२ बुध २१ फरवरी श्रीजया महाद्वादशी व्रत। (पुनर्वसु नक्षत्रवशात्)
१४ शुक्र २३ फरवरी पूर्णिमा व्रत।
१५ शनि २४ फरवरी पूर्णिमा पुण्य। माघ स्नान पूर्ण ।

* फाल्गुन कृष्ण पक्ष *

प्र. ६ शुक्रवार १ मार्च श्रीगोपालद्वारा किशनगढ शहर संस्थित भगवान्

श्रीगोपालविहारीजी का पाटोत्सव । (५ पूर्व विद्धा होने से आज)

१२ गुरु ७ मार्च श्रीविजया एकादशी व्रत।
(ईशदुर्गान्तकक्षये वचनानुसार १० क्षय होने से आज)

१४ शनि ९ मार्च श्रीमहाशिवरात्री व्रत। (व्रतोपवास निर्णयानुसार)

३० रवि १० मार्च अमावस्या पुण्य पर्व।

* फाल्गुन शुक्ल पक्ष *

५ गुरु १४ मार्च श्रीविश्वाचार्य पाटोत्सव। (४ पूर्व विद्धा होने से आज)

१२ गुरु २१ मार्च आमलकी एकादशी व्रत।
(पर्वाच्युत जयावृद्धौ वचनानुसार १३ दो होने से आज)

१४ रवि २४ मार्च पूर्णिमा व्रत होलिका दहन भद्रोत्तरे ११/१४ उ० रात्रौ १२/२० यावत्।

१५ सोम २५ मार्च पूर्णिमा पुण्य पर्व (छारंडी) धूलिवन्दन दोलोत्सव। आचार्यपीठस्थ श्रीराधामाधवजी एवं श्रीगिरिधरगोपालजी मन्दिर श्रीपरशुरामद्वारा-पुष्कर राज में फाग महोत्सव।

* चैत्र कृष्ण पक्ष *

१ मंगल २६ मार्च फाग महोत्सव श्रीविजयगोपालजी एवं श्रीव्रजविहारीजी मन्दिर श्रीनिम्बार्कतीर्थ ।

२ बुध २७ मार्च श्रीगांगलभट्टाचार्य पाटोत्सव।

३ गुरु २८ मार्च फाग महोत्सव श्रीगोपालद्वारा किशनगढ ।
श्रीउपेन्द्रभट्टाचार्य पाटोत्सव।

४ शुक्र २९ मार्च फाग महोत्सव श्रीराधासर्वेश्वर मन्दिर मदनगंज।

५ शनि ३० मार्च फाग महोत्सव (रंगपंचमी) श्रीनिम्बार्ककोट अजमेर ।

६रवि ३१ मार्च फाग महो. भगवान् श्रीनिम्बार्कनिकुंजविहारीजी हीरापुरा जयपुर।
श्रीनिम्बार्क प्राकट्य स्थल मूंगी-पैठण।

११ शुक्र ५ अप्रेल पापमोचिनी एकादशी व्रत।

१२ शनि ६ अप्रेल श्रीश्यामभट्टाचार्य पाटोत्सव। श्रीबालकृष्णशरणदेवाचार्यजी का ११७ वां पाटोत्सव ।

३० सोम ८ अप्रेल चैत्री सोमवती अमावस्या । चान्द्रवर्ष २०८० पूर्ति ।

श्रीनिम्बार्काचार्यपीठ के दर्शनीय उत्सव-महोत्सव

१. **अक्षय तृतीया**- इस दिन भगवान् श्रीराधामाधवजी की चन्दन शृङ्गार युत मनोहर झांकी के दर्शन ।

२. **श्रीराधामाधवजी का पाटोत्सव**-भगवान् का पञ्चामृताभिषेक, विशेष नैवेद्य समर्पण एवं मनोहर फूल-बंगला में दर्शन ।

३. **रथयात्रा महोत्सव**-निज मन्दिर के बाहर जगमोहन में पुजारीगण एवं आचार्यश्री द्वारा रथों का अनुपम द्रुतगति परिचालन दर्शन ।

४. **श्रीगुरु पूर्णिमा**-आज के दिन वृहद् रूप से भक्त समुदाय एकत्रित होकर श्रीआचार्य-श्रीचरणों का पूजन करते हैं ।

५. **झूलनोत्सव**-यह उत्सव भी दर्शनीय है, झूलों की अनुपम छवि परम चित्ताकर्षक आनन्दकारी होती है ।

६. **श्रीकृष्ण-जयन्ती नन्द महोत्सव**-यह तो यहाँ का ऐतिहासिक दर्शनीय मुख्य महोत्सव (बृहद् मेला) है, पुष्करक्षेत्र में अ० भा० श्रीनिम्बार्काचार्यपीठ के संस्थापक श्रीपरशुरामदेवाचार्यजी का पाटोत्सव भी इसी के अन्तर्गत है।

७. **श्रीराधा जयन्ती महोत्सव**-यह महोत्सव अ. भा. श्रीनिम्बार्काचार्यपीठ द्वारा प्रतिष्ठापित एवं संचालित श्रीराधासर्वेश्वर मन्दिर मदनगंज-किशनगढ में बड़े ही समारोह पूर्वक प्रतिवर्ष समायोजित होता है ।

८. **श्रीमद्भागवत जयन्ती महोत्सव**-इस उत्सव का सुन्दर आयोजन अ. भा. श्रीनिम्बा-र्काचार्यपीठ द्वारा प्रतिष्ठापित एवं संचालित श्रीनिम्बार्कगोपीजनवल्लभ मन्दिर, निम्बार्ककोट-अजमेर में सम्पादित होता है ।

९. **शरद् पूर्णिमा**-नख-शिख पर्यन्त सुन्दर शुभ्र शृङ्गार युक्त श्रीराधामाधवजी की मनोहर झांकी के दर्शन ।

१०. **विजयादशमी**-सुदर्शनादि समस्त आयुधों की पूजा के साथ-साथ शमी पूजन एवं मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान् श्रीराम की शोभायात्रा ।

११. **दीपोत्सव**-श्रीमहालक्ष्मीजी का पूजन, श्रीराधिकोत्थापन एवं दीपदान पूर्वक दीपमाला की परम मनोहर सुन्दर सजावट ।

१२. **अन्नकूट महोत्सव**-श्रीगोवर्धन पूजा एवं श्रीसर्वेश्वर-राधामाधव प्रभु के विविध मधुर पदार्थ भोग दर्शन ।

१३. **श्रीहंस-सनकादि जयन्ती एवं श्रीसर्वेश्वर-प्राकट्य महोत्सव**-यह दिव्योत्सव श्रीनिम्बार्काचार्यपीठ एवं पीठ द्वारा प्रतिष्ठापित व संचालित

श्रीपरशुरामद्वारा स्थान (पुष्कर) में सम्पन्न होता है । यहाँ उक्त स्थान में भक्तिमती श्रीमीरां बाई के उपास्यदेव श्रीगिरिधरगोपाल भगवान् विराजमान हैं । यहीं पर परमाचार्यवर श्रीपरशुरामदेवाचार्यजी महाराज के योग समाधि के सुन्दर दर्शन है ।

१४. श्रीनिम्बार्क जयन्ती महोत्सव-यह महोत्सव अ. भा. श्रीनिम्बार्काचार्यपीठ में तथा आचार्यपीठ द्वारा प्रतिष्ठापित एवं संचालित श्रीपरशुरामद्वारा स्थान–श्रीपुष्कर‌राज में विविध समारोह पूर्वक प्रतिवर्ष बड़े उल्लास के साथ सम्पादित होता है । इसी प्रकार यह महोत्सव श्री निम्बार्कराधा–कृष्णविहारी मन्दिर निम्बग्राम एवं श्री श्रीजी बड़ी कुंज वृन्दावन में तथा श्रीनिम्बार्क प्राकट्यधाम–मूंगी (पैठण) में परमोल्लास के साथ मनाया जाता है ।

१५. श्रीनिम्बार्क जयन्ती छठी महोत्सव-यह पावन महोत्सव अ.भा. श्रीनिम्बार्काचार्य–पीठ, निम्बार्कतीर्थ (सलेमाबाद) में नानाविध कार्यक्रमों के साथ प्रतिवर्ष सम्पन्न होता है ।

१६. फूल-डोल-फूलों के हिण्डोला में श्रीप्रिया–प्रियतम के दर्शन तथा सुगन्धित अबीर–गुलाल की बहार एवं रंगभरी पिचकारियों की फुहार ।

१७. अधिकमास (पुरुषोत्तममास-प्रत्येक तृतीय वर्ष आने वाले अधिकमास के अवसर पर श्रीनिम्बार्काचार्यपीठ में अनेकविध यज्ञादि आयोजनों के साथ यह महोत्सव समायोजित होता है ।

१८. महाकुम्भादि पर्वो पर श्रीनिम्बार्कनगर-प्रयाग, हरिद्वार, उज्जैन, नासिक, वृन्दावन के महाकुम्भादि पर्वो पर श्रीनिम्बार्कनगर का भव्य निर्माण होता है। जहाँ श्रीसनकादि महर्षि संसेवित श्रीसर्वेश्वर प्रभु की सेवा तथा उनके दिव्य दर्शन एवं अखण्ड श्रीभगवन्नाम संकीर्तन, अनुष्ठान, पाठ, कथा––प्रवचन, श्रीरासलीला, श्रीरामलीला, सन्तसेवा, औषधालय, पुस्तकालय आदि के साथ भक्तजनों की आवास व्यवस्था भी रहती है । लगभग एक मास पर्यन्त यह महोत्सव संचालित रहता है जो अतीव दर्शनीय एवं परमानन्दप्रद होता है ।

उपर्युक्त प्रत्येक महोत्सव जगद्गुरु निम्बार्काचार्य श्री श्रीजी महाराज के पावन सान्निध्य में ही सम्पन्न होते हैं ।

*